Signature and Name of Invigilator

1. (Signature) ____________________

   (Name) ____________________

2. (Signature) ____________________

   (Name) ____________________

Answer Sheet No. : ....

(To be filled by the Candidate)

Roll No. | | | | | | | |

(In figures as per admission card)

Roll No. ____________________

(In words)

Test Booklet No.

D–9106

PAPER–II

PRAKRIT

Time : 1¼ hours] **[Maximum Marks : 100**

Number of Pages in this Booklet : **8** Number of Questions in this Booklet : **50**

Instructions for the Candidates

1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
2. This paper consists of fifty multiple-choice type of questions.
3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :
   (i) To have access to the Question Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.
   (ii) **Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the question booklet will be replaced nor any extra time will be given.**
   (iii) After this verification is over, the Serial No. of the booklet should be entered in the Answer-sheets and the Serial No. of Answer Sheet should be entered on this Booklet.
4. Each item has four alternative responses marked (A), (B), (C) and (D). You have to darken the oval as indicated below on the correct response against each item.

   Example : (A) (B) ⬤ (D)

   where (C) is the correct response.
5. Your responses to the items are to be indicated in the Answer Sheet given **inside the Paper I booklet only**. If you mark at any place other than in the ovals in the Answer Sheet, it will not be evaluated.
6. Read instructions given inside carefully.
7. Rough Work is to be done in the end of this booklet.
8. If you write your name or put any mark on any part of the test booklet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, you will render yourself liable to disqualification.
9. You have to return the test question booklet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall.
10. **Use only Blue/Black Ball point pen.**
11. **Use of any calculator or log table etc., is prohibited.**
12. **There is NO negative marking.**

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. पहले पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए।
2. इस प्रश्न-पत्र में पचास बहुविकल्पीय प्रश्न हैं।
3. परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी। पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :
   (i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए उसके कवर पेज पर लगी कागज की सील को फाड़ लें। खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें।
   (ii) **कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं। दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ/प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले लें। इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे। उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा।**
   (iii) इस जाँच के बाद प्रश्न-पुस्तिका की क्रम संख्या उत्तर-पत्रक पर अंकित करें और उत्तर-पत्रक की क्रम संख्या इस प्रश्न-पुस्तिका पर अंकित कर दें।
4. प्रत्येक प्रश्न के लिए चार उत्तर विकल्प (A), (B), (C) तथा (D) दिये गये हैं। आपको सही उत्तर के दीर्घवृत्त को पेन से भरकर काला करना है जैसा कि नीचे दिखाया गया है।

   उदाहरण : (A) (B) ⬤ (D)

   जबकि (C) सही उत्तर है।
5. प्रश्नों के उत्तर **केवल प्रश्न पत्र I के अन्दर दिये गये** उत्तर-पत्रक पर ही अंकित करने हैं। यदि आप उत्तर पत्रक पर दिये गये दीर्घवृत्त के अलावा किसी अन्य स्थान पर उत्तर चिन्हांकित करते है, तो उसका मूल्यांकन नहीं होगा।
6. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें।
7. कच्चा काम (Rough Work) इस पुस्तिका के अन्तिम पृष्ठ पर करें।
8. यदि आप उत्तर-पुस्तिका पर अपना नाम या ऐसा कोई भी निशान जिससे आपकी पहचान हो सके, किसी भी भाग पर दर्शाते या अंकित करते हैं तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित कर दिये जायेंगे।
9. आपको परीक्षा समाप्त होने पर उत्तर-पुस्तिका निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और परीक्षा समाप्ति के बाद अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें।
10. **केवल नीले/काले बाल प्वाईंट पैन का ही इस्तेमाल करें।**
11. **किसी भी प्रकार का संगणक (कैलकुलेटर) या लाग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है।**
12. **गलत उत्तर के लिए अंक नहीं काटे जायेंगे।**

PRAKRIT
प्राकृत
PAPER – II
प्रश्नपत्र – II

Note : This paper contains **fifty** (50) multiple-choice questions, each question carrying **two** (2) marks. Attempt **all** of them.

नोट : इस प्रश्नपत्र में **पचास** (50) बहु-विकल्पीय प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न के **दो** (2) अंक हैं। **सभी** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. The name of the language of third stage of the development of Prakrit is .....
प्राकृत के विकास के तृतीय स्तर की भाषा है –
(A) अपभ्रंश (B) पैशाची (C) मागधी (D) महाराष्ट्री

2. Prakrit language is related to this group of languages .....
प्राकृत भाषा इस भाषा समुदाय से सम्बद्ध है
(A) कैल्टिक (B) ग्रीक
(C) भारतीय आर्यभाषा (D) जर्मन

3 Prakrit language belongs to this stage of Indo-Aryan Group of language .....
प्राकृत भाषा भारतीय आर्यभाषा परिवार के इस स्तर से सम्बद्ध है –
(A) प्राचीन (B) मध्ययुगीन
(C) आधुनिक (D) इनमें से कोई नहीं

4. The second 'savvaññe' belongs to the Prakrit ....
'सव्वञ्ञे' शब्द इस प्राकृत का शब्द है –
(A) अर्धमागधी (B) शौरसेनी (C) मागधी (D) महाराष्ट्री

5. Ta becomes Da in the Prakrit .....
निम्नलिखित प्राकृत में त को द होता है –
(A) मागधी (B) अपभ्रंश (C) महाराष्ट्री (D) शौरसेनी

6 Acārya Daṇḍī treated the general Prakrit as .....
आचार्य दण्डी ने निम्नलिखित प्राकृत को सामान्य प्राकृत माना है –
(A) पैशाची (B) अपभ्रंश (C) अर्धमागधी (D) महाराष्ट्री

7. Viyāhapaṇṇatti is included into .....
वियाहपण्णत्ति निम्नलिखित आगम ग्रन्थ श्रेणी में अन्तर्गत है –
(A) अंग साहित्य (B) उपांग साहित्य (C) छन्दसूत्र (D) प्रकीर्णक

8 Prakrit Mūlasūtra is divided into .....
प्राकृत मूलसूत्र इन भागों में विभक्त है –
(A) बारह (B) छह (C) चार (D) चौदह

9. Dhavtā Tīkā is a commentary on .....
धवला टीका इसकी टीका है –
(A) कसाय पाहुड (B) समयसार (C) छक्खण्डागम (D) महाबन्ध

10. Mūlaguṇādhikāra is a part of .....
मूलगुणाधिकार इस ग्रन्थ का भाग है –
(A) भगवती आराधना (B) मूलाचार (C) नियमसार (D) आचारंग

11. Certain part of Tirthankara Mahāvīra's life has been discribed in .....
तीर्थंकर महावीर के जीवन चरित का कुछ भाग निम्नलिखित आगम में उपलब्ध है –
(A) आचारंग का द्वितीय भुतस्कन्ध (B) ठाठांग का नवम अध्ययन
(C) उत्तराध्ययन का एकादशम अध्ययन (D) विपाकभुत का दशम अध्ययन

12. This poet is also known as Kuntaleśvara .....
यह प्राकृत कवि कुन्तलेश्वर के नाम से भी जाना जाता है –
(A) प्रवरसेन (B) वाक्पतिराज (C) हेमचन्द्र (D) कोऊहल

13. Kummāputtacariyam is a work of .....
कुम्मापुत्तचरियं इस आचार्य की रचना है –
(A) अनन्तहंस (B) गुणपालमुनि (C) नेमिचन्द्रसूरि (D) गुणचन्द्रगणि

14. Read I and II units for correct match .....
प्रथम और द्वितीय इकाइयों को सही मिलान के लिए पढ़ें ....

I		II
(a)	संघदासगणि	(i) तरंगवई
(b)	पादलिप्तसूरि	(ii) कुवलयमाला
(c)	हरिभद्र	(iii) आख्यानमणिकोश
(d)	नेमिचन्द्रसूरि	(iv) समराइच्चकहा

Identify the correct match
सही मिलान की पहचान कीजिए
(A) (a) + (iii) (B) (b) + (i) (C) (c) + (ii) (D) (d) + (iv)

15. The language of the Paumacariyam is .....
पउमचरियं में इस भाषा का प्रयोग हुआ है –
(A) महाराष्ट्रीय (B) शौरसेनी (C) पैशाची (D) मागधी

16. Who describes the war held between Suṣeṇa and Dradhavarman .....
सुषेण और दृढवर्मन के बीच हुए युद्ध का वर्णन किसने किया ?
(A) उद्योतनसूरि (B) हरिभद्रसूरि (C) यशोवर्मा (D) वाक्पतिराज

17. Padaliptasūri was the contemporary poet of .....
पादलिप्तसूरि निम्नलिखित राजा के समकालीन कवि थे –
(A) सातवाहन (B) कुमारपाल (C) यशोवर्मा (D) वाक्पतिराज

18. Rayaṇacūḍarāyacariyam is composed by .....
रयणचूडरायचरियं इस आचार्य की रचना है –
(A) नेमिचन्द्रसूरि (B) जयबल्लभ (C) हाल (D) चन्द्रप्रभमहत्तर

19. The period of Aśvaghoṣa tentavily is .....
अश्वघोष का आनुमानिक काल है –
(A) ई.पू. प्रथम शताब्दी (B) ईस्वी पंचम शताब्दी
(C) ई.पू. पंचम शताब्दी (D) ईस्वी सप्तम शताब्दी

20. The language used in 'Karpūramañjarī' is .....
कर्पूरमंजरी मे प्रयुक्त भाषा है –
(A) पैशाची (B) संस्कृत (C) शौरसेनी (D) अर्धमागधी

21. The author of the drama 'Cārudatta' is .....
'चारुदत्त' नाटक के कर्ता है –
(A) भास (B) शूद्रक (C) वसन्तसेना (D) कालिदास

22. The script of Hāthīgumphā inscription is .....
हाथीगुंफा शिलालेख की लिपि है –
(A) ओरिया (B) बंग्ला (C) ब्राह्मी (D) खरोष्ठ

23. Who is attributed by the term 'Devāṇaṃpiya'
'देवाणांपिय' – यह किन का विशेषण है ?
(A) सम्राट अशोक (B) सम्राट चन्द्रगुप्त (C) सम्राट खारबेल (D) महात्मा बुद्ध

24. King Khārabela was the follower of-
सम्राट खारबेल – इस धर्म के अनुयायी थे –
(A) बौद्ध (B) शैव (C) वैष्णव (D) जैन

25. This is not a treatise of Alaṃkāra-
यह अलंकार ग्रंथ नही है –
(A) काव्यप्रकाश (B) सरस्वतीकण्ठाभरण
(C) मृच्छकटिक (D) काव्यानुशासन

26. This metre is related to Prakrit
यह छन्द प्राकृत से सम्बन्धित है –
(A) जगती (B) वसन्ततिलक (C) विग्गाहा (D) मालिनी

27. The author of Pāialacchīnāmamālā is -
पाइयलच्छीनाममाला के कर्ता है –
(A) दण्डी (B) धनपाल (C) जगन्नाथ (D) हेमचन्द्र

28. This does not occur in place of ṛ in Prakrit -
प्राकृत में यह ऋ के स्थान पर नहीं होता –
(A) इ (B) ऐ (C) अ (D) रि

29. This is not an example of anaptyxis-
यह स्वरभक्ति उदाहरण नही है –
(A) रयणं (B) सणेहो (C) किलित्तं (D) गमणं

30. This is not a correct statement-
यह कथन सही नहीं है –
(A) प्राकृत में य–श्रुति होती है (B) अन्त्यव्यञ्जन के स्थान पर अनुस्वार नहीं होता
(C) ऐ के स्थान पर ए होता है (D) ऋ के स्थान पर इ होता है

31. Read units I and II for correct match
सही मिलान के लिए प्रथम व द्वितीय ईकाइओं को पढ़ें

I		II
(i)	र के स्थान पर ल	(a) पैशाची
(ii)	त के स्थान पर द	(b) महाराष्ट्री
(iii)	ष्ट के स्थान पर स्ट	(c) अर्धमागधी
(iv)	पूर्वभारत की प्राकृत	(d) मागधी

Identify the correct match
सही मिलान को पहचाने
(A) i-d (B) ii-c (C) iii-b (D) iv-a

32. The Prakrit form of nirmālyam is-
निर्माल्यम् का प्राकृत रूप यह है –
(A) निलयं (B) ओमालं (C) निरमलं (D) निग्गयं

33. The initial 'y' of a word Changes into 'j' in-
इसमें शब्द के आदिस्थित 'य' का परिवर्तन 'ज' में होता है –
(A) महाराष्ट्री (B) मागधी (C) शाकारी (D) किसी में भी नहीं

34. Choose the correct form of the ablative singular of the word 'Putta' in śauraseni
शौरसेनी प्राकृत में घटित पञ्चमी एकवचन के सही रूप को चुनिए –
(A) पुत्ताओ (B) पुत्तम्हि (C) पुत्तादो (D) पुत्तासुंतो

35. The author of the Kuvalayamālākahā is
कुवलयमाला कथा के लेखक हैं –
(A) विमलसूरि (B) जिनदत्तसूरि (C) उद्द्योतनसूरि (D) प्रवरसेन

36. 'चारित्तं खलु धम्मो' this line accurs in this text-
'चारित्तं खलु धम्मो' यह पंक्ति इस ग्रन्थ का उद्धरण है –
(A) द्रव्यसंग्रह (B) प्रवचनसार (C) अष्टपाहुड (D) समयसार

37. Ṇāyakumāracariu was composed in this century-
णायकुमारचरिउ की रचना इस शताब्दी में हुई थी –
(A) दसवीं (B) आठवीं (C) छढी (D) द्वितीय

38. The Logavijaya chapter is a portion of this text-
'लोगविजय' अध्ययन इस ग्रन्थ में है –
(A) द्रव्यसंग्रह (B) आचारांग (C) उत्तराध्ययनसूत्र (D) प्रवचनसार

39. This text is known as 'Prahasana' -
यह ग्रन्थ 'प्रहसन' कहलाता है –
(A) मृच्छकटिकम् (B) सेतुबन्ध (C) नियमसार (D) कर्पूरमंजरी

40. The Subject matter of the 'Setubandha' is-
'सेतुबन्ध' इस विषय का ग्रन्थ है –
(A) तीर्थंकरकथा (B) रामकथा (C) कृष्णकथा (D) बाहुबलीकथा

41. एशा ठाणकमोशिकामकशिका मच्छशिका लाशिका ।
The Prakrit used in this above line is-
उक्त पद्य–पंक्ति में प्रयुक्त प्राकृत है –
(A) मागधी (B) पैशाची (C) शौरसेनी (D) महाराष्ट्री

42. Title of the nineth chapter of Uttarādhyayanasutra is-
उत्तराध्ययनसूत्र के नवें अध्ययन का नाम है –
(A) केशी–गौतमीय (B) नमि–पविज्जा (C) चित्तसंभूतीय (D) विनय

43. Sidhasena Diwakar is the author of-
सिद्धसेन दिवाकर इस ग्रन्थ के लेखक है –
(A) तत्त्वार्थसूत्र (B) स्याद्वादरत्नाकर
(C) सन्मतिसूत्र (D) अनेकान्तजयपताका

44. The Editor of Ṇayakumāracariu is-
णायकुमारचरिउ के सम्पादक हैं –
(A) डॉ. ए.एन. उपाध्ये (B) डॉ. एच.एल. जैन
(C) डॉ. एच.सी. भायाणी (D) डॉ. हर्मन जैकोबी

45. 'Uvadhāṇasuyam' is the chapter of this Ardhamagadhi text-
'उवधानसुयं' इस अर्धमागधी ग्रन्थ का अध्ययन है–
(A) आचारांगसूत्र (B) सूत्रकृतांगसूत्र (C) विपाकसूत्र (D) स्थानांगसूत्र

46. जरामरणवेगेणं बुज्झमाणाण पाणिणं ।
धम्मो दीवो पइट्ठाय गई सरणमुत्तमं ।।
This above Prakrit verse occurs in this text-
यह उक्त प्राकृत गाथा इस ग्रन्थ में प्राप्त है –
(A) प्रवचनसार (B) सूत्रकुलांग (C) उत्तराध्ययनसूत्र (D) द्रव्यसंग्रह

47. 'सव्वेसिं जीवियं पियं' यह कथन This statement has been given in this text
'सव्वेसिं जीवियं पियं' यह कथन इस ग्रन्थ में प्राप्त है–
(A) सूत्रकुलांग (B) विपाकसूत्र (C) तत्त्वार्थसूत्र (D) आचारांगसूत्र

48. There is a dialogue of these two persons in the ninth chapter of the Uttarādhyayanasutta-
उत्तराध्ययनसूत्र के नवें अध्ययन में इन दो व्यक्तियों का संवाद है –
(A) कपिल–करकण्डु (B) इन्द्र–नमि
(C) इन्द्रभूति – मृगापुत्र (D) हरिकेशी – गौतम

49. आदा णाणपमाणं णाणं णोयप्पमाणमुदिट्ठं ।
णेयं लोयालोयं तम्हा णाणं तु सव्वगयं ॥
The central idea of this above Prakrit verse is
इस उक्त प्राकृतगाथा का केन्द्र–विचार है –
(A) ज्ञान सर्वगत है (B) आत्मा ज्ञानप्रमाण नहीं है
(C) ज्ञान और ज्ञेय अभिन्न है (D) लोक–अलोक स्थिर हैं

50. This is not treated as a Prakrit narrative text-
यह ग्रन्थ प्राकृत कथाग्रन्थ के रूप में नहीं माना जाता है –
(A) मृच्छकटिक (B) कुवलयमालाकहा
(C) समराइच्चकथा (D) आख्यानमणिकोश

- o 0 o -

Space For Rough Work